भारत सरकार

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 5669

27 मार्च, 2026 को उत्तर देने के लिए

अचानक हृदय गति रुकने के मामलों में वृद्धि

†5669. श्री ईश्वरस्वामी के.:

क्या **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने देश भर में 18 से 45 वर्ष के आयु वर्ग के पूर्ण रूप से स्वस्थ व्यक्तियों में अचानक हृदय गति रुकने सहित अचानक होने वाली मृत्यु में वृद्धि के संकेतों वाली रिपोर्टों पर संज्ञान लिया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) ने ऐसी अचानक मृत्यु से जुड़े कारणों और जोखिम कारकों की जांच के लिए कोई अध्ययन किया है या कराया है और यदि हां, तो उसके मुख्य निष्कर्ष क्या हैं;

(ग) क्या जीवनशैली संबंधी किसी कारक, पहले से मौजूद स्थितियों, वायरल के बाद की जटिलताओं या अन्य चिकित्सा कारणों की पहचान की गई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) विशेषकर युवाओं और कामकाजी आयु वर्ग की आबादी को लक्षित करते हुए प्रारंभिक हृदय जांच, निवारक स्वास्थ्य जांच और हृदय स्वास्थ्य पर सार्वजनिक जागरूकता अभियानों को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जाने का प्रस्ताव है?

उत्तर

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्यमंत्री

(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) से (ग): भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने सूचित किया है कि आईसीएमआर-नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ़ एपिडेमियोलॉजी (एनआईई) ने मई-अगस्त 2023 के दौरान भारत के 19 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में स्थित 47 तृतीयक देखभाल अस्पतालों में "भारत में 18-45 वर्ष की आयु के वयस्कों में अस्पष्टीकृत अचानक मृत्यु से जुड़े कारक- एक बहुकेंद्रित मैच्ड केस-नियंत्रण अध्ययन" शीर्षक से एक अध्ययन किया। केस स्पष्ट रूप से बिना किसी ज्ञात सह-रुग्णता के स्वस्थ व्यक्ति थे, जिनकी 1 अक्टूबर 2021-31 मार्च 2023 के दौरान अचानक (अस्पताल में भर्ती होने के 24 घंटे से कम समय में या मृत्यु से 24 घंटे पहले प्रकट रूप से स्वस्थ देखे गए) अस्पष्टीकृत कारणों से मृत्यु हो गई। उम्र, लिंग और पड़ोस के लिए मिलान किए गए प्रत्येक केस के लिए चार कंट्रोल शामिल किए गए। कोविड-19 टीकाकरण/संक्रमण, कोविड-19 के बाद की स्थिति, आकस्मिक मृत्यु का पारिवारिक इतिहास, धूम्रपान,

मनोरंजन के लिए नशीली दवाओं के उपयोग, शराब पीने की आवृत्ति, अत्यधिक शराब पीने और मृत्यु से दो दिन पहले अत्यधिक-तीव्रता वाली शारीरिक गतिविधि के संबंध में जानकारी एकत्र की गई थी। विश्लेषण में कुल 729 आकस्मिक मृत्यु के मामले और 2916 कंट्रोल शामिल किए गए थे। यह पाया गया कि कोविड-19 वैक्सीन की कोई भी खुराक लेने से अस्पष्टीकृत अचानक मृत्यु की संभावना कम हो गई। COVID-19 वैक्सीन की दो खुराक प्राप्त करने से अस्पष्टीकृत अचानक मृत्यु की संभावना काफी कम हो गई। COVID-19 के कारण पूर्व में अस्पताल में भर्ती होना, आकस्मिक मृत्यु का पारिवारिक इतिहास, मृत्यु/साक्षात्कार से 48 घंटे पहले अत्यधिक शराब पीना, मनोरंजन के लिए नशीली दवाओं के उपयोग करना तथा मृत्यु/साक्षात्कार से 48 घंटे पहले अत्यधिक-तीव्रता वाली शारीरिक गतिविधि करने से अचानक मृत्यु की संभावना बढ़ी हुई पाई गई। इसलिए, अध्ययन में पाया गया कि कोविड-19 टीकाकरण से भारत में युवा वयस्कों के बीच अस्पष्टीकृत आकस्मिक मृत्यु का जोखिम नहीं बढ़ा। COVID-19 के कारण पूर्व में अस्पताल में भर्ती होना, आकस्मिक मृत्यु का पारिवारिक इतिहास और कुछ जीवनशैली संबंधी व्यवहारों के कारण अस्पष्टीकृत आकस्मिक मृत्यु की संभावना बढ़ गई।

इसके अलावा, दिल के दौरे के कारणों को समझने के लिए, आईसीएमआर-नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एपिडेमियोलॉजी (आईसीएमआर-एनआईई) ने पूरे भारत में 25 अस्पतालों में एक और बहुकेंद्रित मैच्ड केस -कंट्रोल अध्ययन किया। मामले (CASES) अक्टूबर 2021 और जनवरी 2023 के बीच नए निदान किए गए एक्यूट मायोकार्डियल इन्फार्क्शन (एएमआई) वाले अध्ययन अस्पतालों में भर्ती 18-45 वर्ष की आयु के रोगी थे। नियंत्रण अन्य कारणों से उन्ही अस्पतालों में भर्ती 18-45 वर्ष की आयु के रोगी थे, जो अस्पताल में भर्ती होने के समय संबंधी CASES से मेल खाते थे। विभिन्न जोखिम कारकों के संबंध में सूचना एकत्र की गई थी। अध्ययन में पाया गया कि एएमआई से ग्रसित रोगियों का अस्पताल में भर्ती होना किसी भी ज्ञात सह-रुग्णता के होने, थ्रोम्बोटिक मामलों का पारिवारिक इतिहास और कभी धूम्रपान करने की आदत से जुड़ा था।

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली ने युवा वयस्क रोगियों (18 वर्ष से 45 वर्ष की आयु) में मृत्यु के कारण को समझने के लिए वर्चुअल ऑटोप्सी और सीटी स्कैन का उपयोग करके "युवाओं में अचानक अस्पष्टीकृत मौतों के कारणों का पता लगाना" विषय पर एक अध्ययन किया। अंतरिम परिणामों से पता चला है कि मायोकार्डियल इंफ्रक्शन (एमआई) अचानक मौत का मुख्य कारण बना हुआ है और पिछले वर्षों की तुलना में अचानक होने वाली मौतों के कारणों की प्रवृत्ति में कोई बदलाव नहीं आया है।

(घ): स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग राष्ट्रीय गैर-संचारी रोगों की रोकथाम और नियंत्रण कार्यक्रम (एनपी-एनसीडी) के तहत राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों को तकनीकी और वित्तीय सहायता प्रदान करता है। यह कार्यक्रम गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) के लिए अवसंरचना को मजबूत करने, मानव संसाधन विकास, स्क्रीनिंग, शीघ्र निदान, रेफरल, उपचार और स्वास्थ्य संवर्धन पर केंद्रित है। राष्ट्रीय गैर-संचारी रोगों की रोकथाम और नियंत्रण कार्यक्रम (एनपी-एनसीडी) के अंतर्गत 770 जिला एनसीडी क्लीनिक, 364 जिला डे केयर कैंसर केन्द्र (डीसीसीसी) और सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में 6,410 एनसीडी क्लीनिक स्थापित किए गए हैं। इसके अलावा, जिला अस्पताल स्तर पर कैंसर देखभाल की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 297 जिला डे केयर कैंसर सेंटर (डीसीसीसी) को मंजूरी दी गई।

इसके अलावा, व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य परिचर्या के एक भाग के रूप में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के अंतर्गत देश में उच्च रक्तचाप सहित सामान्य गैर-संचारी रोगों की रोकथाम, नियंत्रण और जांच के लिए जनसंख्या आधारित पहल शुरू की गई है। इस पहल के अंतर्गत, 30 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों को उनकी जांच के लिए लक्षित किया जाता है। गंभीर हृदय संबंधी मामलों के प्रबंधन के लिए एक हब-एंड-स्पोक मॉडल लागू किया गया है। जिला अस्पताल और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (स्पोक) प्रारंभिक थ्रोम्बोलिसिस और स्थिरीकरण प्रदान करने के लिए सुसज्जित हैं, जबकि तृतीयक अस्पताल और मेडिकल कॉलेज (हब) विकसित कार्यकलाप प्रदान करते हैं। एम्बुलेंस सेवाएं, टेलीमेडिसिन प्लेटफॉर्म और सुव्यवस्थित रेफरल पाथवे, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंच को बेहतर बनाते हैं।

भारत सरकार राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा किए जाने वाले हृदयवाहिका रोगों सहित गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) के लिए जागरूकता सृजन कार्यकलापों के लिए एनएचएम के अंतर्गत वित्तीय सहायता प्रदान करती है। आयुष्मान आरोग्य मंदिर के माध्यम से व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य परिचर्या के अंतर्गत सामुदायिक स्तर पर स्वास्थ्य संबंधी कार्यकलापों और लक्षित संचार को बढ़ावा देकर निवारक पहलू को सुदृढ़ किया गया है। इसके अलावा, भारतीय खाद्य संरक्षा और मानक प्राधिकरण के माध्यम से स्वस्थ आहार को भी बढ़ावा दिया जाता है। युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय द्वारा फिट इंडिया मूवमेंट का क्रियान्वयन किया जाता है, और आयुष मंत्रालय द्वारा योग से संबंधित विभिन्न गतिविधियां की जाती हैं।

******